

Awadhi Easy-to-Read Version

Language: अवधी (Awadhi)

Provided by: Bible League International.

Copyright and Permission to Copy

Taken from the Awadhi Easy-to-Read Version © 2005 by Bible League International.

PDF generated on 2017-08-25 from source files dated 2017-08-25.

a1ae5774-2ca2-500b-8aeb-2c74229c4519

ISBN: 978-1-5313-1308-1

याकूब क पत्र

१ याकूब क जउन परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह क दास अहइ, संतन क बारह कुलन क नमस्कार पहुँचइ जइन समूचे संसार में फइला भवा अहई।

बिसवास अउर विवेक

२ मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब कबहुँ तू तरह तरह क परीच्छा मैं पड़ा तउ एका बड़ा आनन्द क बात समझा। ३ काहेकि तू इ जानत अहा कि तोहार बिसवास जब परीच्छा मैं सफल होत ह तउ ओसे धीरजपूर्ण सहन सकती पैदा होत ह। ४ अउर उ धीरजपूर्ण सहन सकती एक अइसेन पूर्णता क जनम देत ह जेहसे तू अइसेन सिद्ध अउर पूर्ण बन सकत ह जेहमाँ कउनउ कबहुँ नाहीं रहि जात।

५ तउन अगर तोहमाँ कछु विवेक क कमी अहइ तउ ओका परमेस्सर स मांग सकत ह। उ सबहिं क उदारता क साथे देत ह। उ सबहिं क उदार होइ क देइ मैं खुस होत ह। ६ बस बिसवास क साथे माँगा जाइ। तनिकउ भी संदेह न होइ चाही काहेकि जेका संदेह होत ह, उ सागर क ओह लहर क समान बा जउन हवा स उठत ह अउर थरथरात ह। ७-८ अइसेन मनई क इ नाहीं सोचइ चाही कि ओका पर्भू स कछु भी मिल पाई। अइसेन मनई क मन तउ दुविधा स ग्रस्त बा। उ अपने सभन करमन मैं अस्थिर रहत ह।

सच्चा धन

९ साधारण परिस्थितियन वाला भाइयन क गरब करइ चाही कि परमेस्सर तउ ओका आतिमा क धन दिहे अहइ। १० अउर धनी भाइ क गरब करइ चाही कि परमेस्सर ओका आत्मिक गरीबी देखाए अहइ। काहेकि ओका त घास खिलइवाला फूल क नाई झर जाइ क बा। ११ सूरज कड़कड़ात धूप लइके उगत ह अउर पउधा क झुराइ डावत ह। ओनकर फूल पत्तियन झर जात ही अउर सुन्दरता समाप्त होइ जात ह। इही तरह धनी मनई धन बरे योजना बनाने मैं ही समाप्त होइ जात ह।

परमेस्सर परीच्छा नाहीं लेत

१२ उ मनई धन्य अहइ जउन परीच्छ मैं अटल रहत ह काहेकि परीच्छा मैं खरा उतरइ क बाद

उ जीवन क ओह बिजय मुकुट क धारण करी जेका परमेस्सर अपने पिरम करइवालन क देइ क बचन दिहे अहइ। १३ परीच्छा क घड़ी मैं कीहीउ क इ नाहीं कहइ चाही, “परमेस्सर मोर परीच्छा लेत अहइ,” काहेकि खराब बातन स परमेस्सर क कउनउ लेब-देब नाहीं होत। उ कउनो क परीच्छा नाहीं लेत। १४ हर कउनो आपन ही खराब इच्छन स भ्रम मैं फंसिके परीच्छा मैं पड़त ह। १५ फिन जब उ इच्छा गर्भवती होत ह तउ पाप पूरा बढ़ जात ह अउर उ मउत क जनम देत ह।

१६ तऊन मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, धोखा न खा। १७ हर एक उत्तिम दान अउर परिपूर्ण उपहार उपपर स मिलत ह। अउर उ सबइ ओह परमपिता क जरिये जे सरगीय प्रकास (सूरज चाँद अउर तारन) क जनम दिहे अहइ, नीचे लइ आवत ह। उ जउन सभन प्रकासन का पिता अहइ। जो न कभउ बदलत ह अउर न छाया स प्रभावित होत ह। १८ परमेस्सर अपने इच्छा स सत्य क बचन दुआरा हमे जनम दिहेस जेहसे हम ओकरे द्वारा रचे गएन प्रानियन मैं सबसे महत्वपूर्ण सिद्ध होइ सकी।

सुनब अउर ओह पर चलब

१९ मोर पिआरे भाइयो तथा बहिनियो, खियाल रखा, हर कीहीउ क तत्परता क साथे सुनइ चाही, बोलइ मैं जल्दी न करा, अउर जल्दी सा किरोध न करा कर। २० काहेकि मनई जब किरोध करत ह तब उ परमेस्सर क द्वारा बनाए भए रस्ता का पालन नाहीं कइ पावत। २१ सब धिनौना आचरण अउर चारहुँ ओर फइलत दुस्टताई स दूर रहा। अउर नरमी क साथे तोहरे हिरदइ मैं रोपा भवा परमेस्सर क बचन क पालन करा जउन तोहार आतिमन क उद्धार देवाई सकत ह।

२२ परमेस्सर क उपदेस पे चलइ वाला बना, न कि केवल ओका सुनइवाला। अगर तू केवल ओका सुनबइ भर रहत ह तउ अपने आप क छलत अहा। २३ काहेकि अगर केउं परमेस्सर क उपदेस क सुनत तउ बाटइ मुला ओह प चलत नाहीं, तउ उ ओह मनई क समान बाटइ जउन अपने भौतिक मुँहे क दरपन मैं देखतेइ भर बाटइ। २४ उ खुद क अच्छी तरह देखतइ बा, पर जब उहाँ स चला जात ह तउ तुरन्त भूल जात ह कि उ कइसेन देखत रहा। २५ किन्तु जो परमेस्सर क उहइ सम्पूर्ण व्यवस्था क नजदीक स देखत ह, जेससे स्वतन्त्रता प्राप्त होत ह, अउर उही प आचरण भी करत ह अउर

सुनिके ओहका भूले बिना आपन आचरण मँ उतार लेत ह, उही अपने करमन क बरे धन्य होइ।

आराधना क सच्चा रस्ता

२६ अगर केऊ सोचत ह कि उ भक्त अहइ अउर अपने जीभ प कसिके लगाम नाही लगावत त उ धोखा मँ बा। ओकर भक्ति बेकार बा। २७ परमेस्सर क सामने सच्चे अउर सुद्ध आराधना ऊहई अहइ : जेहमाँ अनाथ अउर विधवन क ओनके दुख ददे मँ सुधि लीन्हि जाइ अउर खुद क कउनउ सांसारिक कलंक न लागइ दीन्ह जाइ।

सबसे पिरम करा

१ मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि महिमावान पर्भू ईसू मसीह मँ तोहार बिसवास बा, उ लोगन क प्रति पच्छपातपूर्ण न होइ। २ कल्पना करा तोहरे सभा मँ कउनउ मनई सोना क अगूँटी अउर भव्य कपड़ा धारण कइके आवत ह। अउर तबहिँ मइला कुचइला कपड़ा पहिरे एक गरीब मनई आवत ह। ३ अउर तू जे भव्य कपड़ा धारण किहे अहइ, ओका बिसेस महत्व देत भए कहत अहा, “इहाँ एह उत्तिम आसन प बइठा,” जब कि ओह गरीब मनई स कहत अहा, “उहाँ खड़ा रहा” या “मोरे गोड़न क लगे बइठि जा।” ४ अइसेन करत भए तू लोगन क बीच भेद भाऊ नाही किहा अउर खराब विचारन क साथे निआवकर्ता नाही बनि गया ?

५ मोर पिआरे भाइयो तथा बहिनियो, सुना, का परमेस्सर त संसार क आँखिन मँ ओन्हन गरीबन क बिसवास मँ धनी अउर ओह राज्य क उत्तराधिकारी क रूपे मँ नाही चुनेस ? जेकर उ, जउन ओका पिरम करत हीं, देइ क बचन दिहे अहइ। ६ परन्तु तू तउ ओह गरीब मनई का अपमान किहा ह। का इ धनिक मनइयन उहइ नाही ह्येन, जउन तोह प नियंत्रण करत हीं अउर तोह सबन क कचरहिउ मँ घसीट लइ जात हीं ? ७ का इ उहई नाही ह्येन, जउन मसीह क ओह अच्छे नाउँ क निन्दा करत हीं, जउन तोहे सबन क दीन्ह गवा बा ?

८ अगर तू पवित्र सासतरन मँ मिलइवाली एह अच्छी व्यवस्था क सहीयउ मँ पालन करत अहा, “अपने पड़ोसी स भी वइसेन ही पिरम करअ,

जइसे तू अपने आप स करत अहा।” *तउ तू अच्छा ही करत अहा। ९ परन्तु अगर तू पच्छपात देखावत अहा तउ तू पाप करत अहा। फिन तोहका व्यवस्था क तोड़इवाला ठहरावा जाई।

१० काहेकि कउनउ अगर पूरी व्यवस्था क पालन करत ह अउर एक बात मँ चूकि जात ह तउ उ समूची व्यवस्था क उल्लंघन क दोसी होइ जात ह। ११ काहेकि जे इ कहे रहा, “व्यभिचार न करा।” १२ उहइ तउ इहउ कहे रहा, “हतिया न करा।” १३ तउन अगर तू व्यभिचार नाही करत्या परन्तु हतिया करत अहा तउ तू व्यवस्था क तोड़इवाला अहा।

१४ तू उही लोगन क समान बोला अउर ओनही क जइसेन आचरण करा जेकर ओह व्यवस्था क अनुसार निआव होइ जात बा, जेसे छुटकारा मिलत ह। १५ जउन दयालुता नाही देखउतेन ओकरे बरे परमेस्सर क निआव बिना द्या के ही होइ। किन्तु दया निआव प बिजइ पावत ह।

बिसवास अउर सत् करम

१६ मोर भाइयो तथा बहिनियो, अगर केउ मनई कहत ह कि उ बिसवासी बा त मुला कछू करम नाही करत तउ अइसेन स का लाभ जब तलक कि ओकरे करम बिसवास क अनुकूल न होइ ? अइसेन बिसवास स का ओकर उद्धार कइ सकत ह ? १७ अगर ईसू मँ लिप्त भाई अउ बहिन क पास कपड़न न होइ, अउर ओनके लगे खाइ तक क कछू भी न होइ, १८ अउर तोहमाँ सही केउ ओनसे कहइ “सान्ति स जियाअ, परमेस्सर तोहार कल्लियान करइ अपने क गरमावा अउर अच्छे तरह भोजन करा।” अउर तू ओनके सरीरीक जरूरतन क चीजन ओन्हे न द्या तउ फिन एकर का मूल्य बा ? १९ इहइ बात बिसवास क समबन्ध मँ कहि जाउ सकत ह। अउर अगर बिसवास क साथे करम नाही बा तउ उ अपने आप मँ बिना प्राण क बाटइ।

२० परन्तु केउ कहि सकत ह, “तोहरे लगे बिसवास बा, जबकि मोरे लगे करम बा अब तू बिना करमन क आपन बिसवास देखावा अउर मई तोहे आपन बिसवास अपने करमन क द्वारा देखाउब।” २१ का तू बिसवास करत अहा कि परमेस्सर केवल एक बा ? अद्भुत ! दुस्ट आतिमा इ बिसवास करत ह कि परमेस्सर बा अउर उ काँपत रहत ह।

*२ :८ उद्धृत लैव्य. १९ :१८

†२ :११ उद्धृत निर्ग. २० :१४ ; व्यवस्था. ५ :१८

‡२ :११ उद्धृत निर्ग. २० :१३ ; व्यवस्था. ५ :१७

२० अरे मूरख! का तोहे परमाण चाही कि करम रहित बिसवास बेकार बा? २१ का हमार पिता इब्राहीम अपने करमन क आधार प ही ओह समइ परमेस्सर धर्मी नाहीं ठहरावा गवा रहा जब उ अपने बेटवा इसहाक क वेदी प अपित कइ दिहे रहा? २२ तू देखा कि ओकर इ बिसवास ओकरे करमन क साथे ही सक्रिय होत रहा। अउर ओकर करमन स ही ओकर बिसवास परिपूर्ण कीन्ह गवा रहा। २३ एह तरह पवित्तर सास्तर क इ कहा पूरा भवा रहा, “इब्राहीम तउ परमेस्सर प बिसवास किहेस अउर बिसवासे क अधार पे ही उ परमेस्सर का धर्मी ठहरा।” २४ अउर इही स ही उ “परमेस्सर क दोस्त” २५ कहा गवा। २६ तू देखा कि केवल बिसवासी स नाहीं, बल्कि अपने करमन स ही मनई परमेस्सर क धर्मी ठहरत ह।

२५ इही तरह राहाब बेस्था भी बीका, जब उ परमेस्सर क दूतन क अपने घरे मँ स्वागत किहेस अउर फिन ओन्हे दुसरे रस्ता स कहुँ भेज दिहेस तउ ओह समइ का अपने करमन स परमेस्सर क धर्मी नाहीं ठहराई गइ।

२६ एह तरह जइसेन बिना आत्मा क सरीर मरा हुआ बा, वइसेनइ करम बिना बिसवास क निर्जीव बा।

बानी क संयम

३ १ मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स बहुतन क सिच्छक बनइ क इच्छा न करइ चाही। तू जनतइ अहा कि हम सिच्छकन क अउर जियादा कड़ाइ क साथे निआव कीन्ह जाई।

२ काहेकि मई सब कइयउ बातन मँ चूक जाइत ह। सभन स बहुत स भूल होतइ रहत हीं। अगर केउ बोलइ मँ कउनउ चूक न करइ तउ उ एक सिद्ध मनई अहइ तउ फिन अउर उ पूरी देह प नियन्त्रण कइ सकत ह? ३ हम घोड़न क मुँह मँ एह बरे लगावत लगावत अही कि उ हमरे बस मँ रहइ। अउर एह तरह ओनके पूरे सरीर क हम बस मँ कइ सकित ह। ४ अउर जल-यानन क बारे मँ भी इ बात सत्य अहइ। देखा, चाहे उ जहानन केतनउ बड़ा होत हीं अउर सक्रिसाली हवा क द्वारा चलावा जात हीं, परन्तु एक छोटी स पतवार स ओनका नाविक ओन्हे जहाँ कहुँ लइ जाइ चाहत ह। ओह प काबू पाइ क ओन्हे लइ जात ह। ५ इही तरह जीभ,

जउन सरीर क एक्क छोटी स अंग अहइ, तबहुँ बड़ी बड़ी बात कहि डावइ क डींग मारत रहत ह।

अब तनिक सोचा एक जरा स लपट पूरा जंगल क जराइ सकत ह। ६ हाँ, जीभ: एक एक आग क साथे अहइ। इ बुराइ क एक पूरा संसार अहइ। इ जीभ हमरे सरीर क अंग मँ एक अइसेन अंग अहइ, जउन पूरा सरीर क नियन्त्रण मँ रखीके भ्रस्ट कइ डावइत ह अउर हमार पूरा जीवन चक्र मँ ही आग लगाइ देत ह। इ जीभ नरक क आग स धक्कत रहत ह।

७ देखा, हर तरह क हिंसक पसु, पंछी, रेंगइवाला जीव जंतु अउर मछरी प्राणी मनई द्वारा बस मँ कीन्ह जाइ सकत ह अउर कीन्ह भी गवा अहइ। ८ परन्तु जीभ क केउ भी मनई बस मँ नाहीं कइ सकत। इ घातक बिस स भरा एक अइसेन बुराइ अहइ जउन कभउँ चैन स नाहीं रहत। ९ हम इही जीभ स अपने पर्भू अउर परमेस्सर क स्तुति करत अही अउर इही जीभ स लोगन क जउन परमेस्सर क समानता मँ पैदा कीन्ह गवा अहइ, मनइयन क कोसत अही। १० एक्कइ मुँहे स स्तुति अउर अभिसाप दुन्नऊ निकरत हीं! मोर भाइयो तथा बहिनियो, अइसेन तउ न होइ चाही। ११ सोतन क एक्कइ मुहाने स भला का मीठ अउर खारा दुन्नऊ तरह क जल निकर सकत ह। १२ मोर भाइयो तथा बहिनियो, का अंजीर क पेड़े पे जइतून क लता प कभउँ अंजीर लगत ह? निस्वय ही नाहीं। अउर न तउ खारा स्रोत स कभउँ मीठ जल निकर पावत ह।

सच्चा विवेक

१३ भला तोहमाँ, गियानी अउर समझदार कउन हयेन? जउन हयेन, ओका अपने करमन अपने अच्छे चाल चलन स उ नम्रता स प्रकट करम जउ गियान स उत्पन्न होत ह। १४ परन्तु अगर तू जउने लोगन क हिरदइ कइवाहट, ईसाँ अउर सुवारथ भरा हुआ बा, तउन ओनके सामने अपने गियान क ढोल न पीटा। अइसेन कइके त तू सत्य प परदा डावत भए असत्य बोलत अहा। १५ अइसेन “गियान” तउ परमेस्सर स नाहीं, बल्कि उ त सांसारिक अहइ। आत्मिक नाहीं अहइ। अउर सइतान क अहइ। १६ काहेकि जहाँ ईसाँ अउर सुवारथ पूर्ण महत्वपूर्ण इच्छा रहत ह, उहाँ अव्यवस्था अउर भ्रम अउर हर तरह क खराब

१२ :२३ उद्धृत उत्पत्ति १५ :६

१३ :२३ उद्धृत २ इति. २० :७ ; यसा. ४१ :८

वात रहत हीं।^{१७} परन्तु परमेस्वर आवइवाला गियान सबसे पहिले तउ पवित्तर होत ह, फिन सान्तिपूर्ण, सहज-खुस करुना स भरा होत ह। अउर ओसे अच्छा करमन क फसल उपजत ह। उ पच्छपात रहित अउर सच्चा भी होत ह।^{१८} सान्ति क बरे काम करइवाले लोगन क भी धरमपूर्ण जीवन क फल मिली अगर ओका सान्तिपूर्ण तरीके में कीन्ह गवा अहइ।

परमेस्वर क अर्पित होइ जा

४^१ तोहरे बीच लड़ाइ-झगड़ा क का कारण बाटेन ? का ओनकर कारण तोहरे अपने ही भित्तर का वासना नाहीं बाटइ ? तोहार उ भोग बिलासपूर्ण इच्छा भी जउन तोहरे भित्तर हमेसा द्वन्द करत रहत हीं ?^२ तू लोग चाहत अहा परन्तु तोहे मिल नाहीं पावत। तोहमाँ ईसा बा अउर तू दुसरे क हतिया करत हया फिन जउन चाहत अहा, पाइ नाहीं सकत्या। अउर इही बरे तू लड़त-झगड़त रहत अहा अउर युद्ध करत अहा। आपन इच्छित चीजन क तू पाइ नाहीं सकत्या काहेकि तू ओन्हे परमेस्वर स नाहीं मँगत्या।^३ अउर जब मांगत भी अहा लेकिन पउत्या नाहीं काहेकि तोहार उद्वेस पवित्तर नाहीं होत। काहेकि तू ओन्हे अपने भोग-बिलास में ही नस्ट करइ क बरे मांगत अहा।

४^४ अरे, बिसवास बिहीन लोगो! का तू नाहीं जानत अहा कि संसार स परिम करइ का मतलब होत ह परमेस्वर स घिना करब जइसेन ही बाटइ ? जउन कउनउ एह दुनिया स दोस्ती रखइ चाहत ह, उ अपने आपके परमेस्वर क सत्तू बनावत ह।^५ का तू अइसेन सोचत ह कि पवित्तर सास्तर अइसेन बेकारइ मँ कहत ह, “परमेस्वर तउ हमरे भित्तर जउन आतिमा दिहे अहइ, उ आतिमा केवल अपने बरे ही सोचत ह।”^६ परन्तु परमेस्वर तउ हम पे बहुत जियादा अनुग्रह दरसाए अहइ, इही बरे पवित्तर सास्तर मँ कहा गवा बा, “परमेस्वर घमंडियन क विरोधी अहइ जबकि विनम्र जनन पे आपन अनुग्रह दरसावत ह।”^७

७ इही बरे अपने आपके परमेस्वर क अधीन कइ द्या। सइतान क विरोध करा। उ तोहरे सामने स भागि खड़ा होइ।^८ परमेस्वर क लगे आवा, उहउ तोहरे लगे आवइ। अरे पापियन, आपन हाथ सुद्ध

करा अउर अरे संदेह करइवालन, अपने हिरदइ क पवित्तर करा।^९ सोक करा, बिलाप करा अउर रोवा। होइ सकत ह तोहरे इ हँसी सोक मँ बदलि जाइ अउर तोहरे इ खुसी बिसाद मँ बदलि जाइ।^{१०} परभू क सामने खुद क नवावा। उ तोहे ऊँचा उठाई।

निआवकर्ता तू नाहीं अहा

११ भाइयो तथा बहिनियो, एक दुसरे क विरोध मँ बुरा बोलब बन्द करा। जउन अपने ही भाई क विरोध मँ बुरा बोलत हीं, अउर ओका दोसी ठहरावत हीं, उ व्यवस्था क दोसी ठहरत ह। अउर उ व्यवस्था प दोस लगावत अहा अउर यदि तू व्यवस्था प दोस लगावत अहा तउ व्यवस्था क पालन करइवाला नाहीं रहत्या बरन स्वयं ओकरे निआवकर्ता बन जात अहा।^{१२} लेकिन व्यवस्था क देइवाला अउर ओकर निआव करइवाला तउ बस एकइ बा। अउर उहइ रच्छा कइ सकत ह अउर उहइ खतम करत अहइ। तू फिन अपने साथी क निआव करइवाला तू कउन होत ह्या ?

आपन जीवन परमेस्वर क चलावइ द्या

१३ अइसेन कहइवाले सुना, “आजु या काल्हि हम एह या ओह नगर मँ जाइके एक साल भर उहाँ व्यपार मँ धन लगाइके बहुत स पइसा बनाइ लेबइ।”^{१४} परन्तु तू त एतनउ नाहीं जनत्या कि काल्हि तोहरे जीवन मँ का होइ! देखा! तू त ओह धुंध क समान अहा जउन रचिके देर बरे देखॉत ह अउर फिन खोइ जात ह।^{१५} तउन एकरे स्थान प तोहका तउ हमेसा इहइ कहइ चाही, “यदि परभू की इच्छा होइ तउ हम जीवित रहबइ अउर इ या उ काम भी करबइ।”^{१६} परन्तु स्थिति तउ इ बा कि तू तउ अपने आडम्बर पइ खुदइ गरब करत ह्या। अइसेन सब गरब बुरा बाटइ।^{१७} तउ फिन इ जानत भए इ उचित बा, ओका न करब पाप बा।

सुवार्थी धनी दण्ड क भागी होइही

५^१ धनवान लोगो सुना! जउन विपत्तियन तोह प आवइवाली बाटिन, ओकरे बरे रोवा अउर ऊँचा स्वरे मँ बिलाप करा।^२ तोहर धन सड़ा चुका बा। तोहार पोसाकन कीड़न द्वारा खाइ लीन्ह गइ बा।^३ तोहार सोना, चाँदी जंग लग जाइसे रंग बिगड़ गवा बा। ओह पे लगी जंग तोहरे विरोध मँ

**४ :५ उद्धृत निर्ग. २० :५

††४ :६ उद्धृत नीति. ३ :३४

साच्छी देई अउर तोहरे सरीर को आगी की तरह चाट जाई। तू अन्तिम दिनन ब्यरे आपन खजाना बचाइके रक्खो अहा। ४ सोचा, तोहरे खेतन मँ जउन मजूदरन काम किहेन, तू ओनकर मेहनताना नाहीं दिए अहा ओका रोकि रखे अहा। उहई मेहनताना चीख पुकार करत बाटइ। अउर खेतन मँ काम करइवालन क उ चीख पुकारइ सर्वसक्तिमान पभू क कानन तलक जाइ पहुँची बा।

५ धरती पे तू बिलासपूर्ण व्यर्थ जीवन जिए अहा अउर अपने आपके भोग बिलासन मँ हुबोए रखे अहा। एह तरह तू अपने आपके बध कीन्ह जाइके दिनके बरे पाल पोसी क हिस्ट-पुस्ट कइ लिहे अहा। ६ तू भोले लोगन क दोसी ठहराइके ओनके कीहीउ प्रतिरोध क अभाव मँ ही ओनकर हतिया कइ डया ह।

धीरज रखा

७ तउन भाइयो तथा बहिनियो, पभू क फिन स आवइ तलक धीरज धरा। उ किसान क धियान धरा जउन आपन धरती क मूल्यवान उपज क बरे बाट जोहत रहत ह। एकरे बरे उ सुरु क बरखा स लइके बाद क बरखा तलक हमेसा। धीरज क साथे बाट जोहत रहत ह। ८ तोहे भी धीरज क साथे बाट जोहइ चाही। अपने हिरदइ क मजबूत बनाए रखा काहेकि पभू क द्वारा आउब लगे ही बा। ९ भाइयो तथा बहिनियो, आपस मँ एक दुसरे क सिकाइत न करा ताकि तोहे अपराधी न ठहरावा जाइ। देखा, निआवकर्ता दरवाजे क डचोढ़ी प खड़ा बा।

१० भाइयो तथा बहिनियो, ओन नबियन क याद रखा जे पभू क बरे बोलेन ह। उ हमरे बरे जातना झेलइ अउर धीरज स भरी सहनशीलता क उदाहरण ह्येन। ११ धियान रखा, हम ओनकर सहनशीलता क कारण ओनका धन्य मानित अही। तू अय्यूब क धीरज क बारे मँ सुने ही अहा। अउर पभू तउ ओका ओकर आखिर मँ कउन परिणाम प्रदान किहेस, काहेकि तू भी जनतइ अहा कि पभू केतना दयालु अउर करुणापूर्ण अहइ।

सोची बिचारिके बोला

१२ मोर भाइयो तथा बहिनियो, सबसे बड़ी बात इ बा कि सरग क अउर धरती क या कीहीउ तरह क कसम खाइ छोड़ि द्या। तोहार “हाँ,” क हाँ होइ चाही, अउर “ना,” क ना होइ चाही। ताकि तोहका दोसी न ठहरावा जाइ सकइ।

पराथना क सकती

१३ अगर तोहमाँ स कउनो विपत्ति मँ पड़ा बा तउ ओका पराथना करइ चाही अउर अगर केउ खुस बा तउ ओका स्तुति-गीत गावइ चाही। १४ अगर तोहरे बीच कउनो रोगी बा तउ ओका कलीसिया क निरीच्छकन क बोलावइ चाही कि उ ओकरे बरे पराथना करइ अउर ओह प पभू क नाउँ मँ तेल मलइ। १५ बिसवास क साथे कीन्ह गइ पराथना स रोगी निरोगी होत ह। अउर पभू ओका उटाइके खड़ा कइ देत ह। अगर उ पाप किहे अहइ त पभू ओका छुमा कइ देइ।

१६ इही बरे अपने पापन क परस्पर स्वीकार अउर एक दुसरे क बरे पराथना करा ताकि तू भला चंगा होइ जा। अच्छा मनई क पराथना सक्तिसाली अउर प्रभावपूर्ण होत ह। १७ एलिय्याह एक मनई ही रहा ठीक हमरे जइसा। उ तेजी क साथे पराथना किहेस कि बरखा न होइ अउर साढ़े तीन साल छह महीना तलक धरती प बरखा नाहीं भइ। १८ उ फिन पराथना किहेस अउर अकास मँ बरखा उमड़ि पड़ी अउर धरती आपन फसल उपजाएस।

एक आतिमा क रच्छा

१९ मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स कउनो अगर सत्य स भटक जाइ अउर ओका कउनउ फिन लउटाइ लइ आवइ तउ ओका इ पता होइ चाही कि २० जउन कीहीउ पापी क पाप क रस्ता स लउटाइ लियावत ह उ ओह पापी क आतिमा क अनन्त मउत स बचावत ह अउर ओकरे कइयउ पापन क छुमा कीन्ह जाइ क कारण बनत ह।